Topic → Agricultural Revolution
14th lecture from BA PART-I, PAPER-II

→ Mamta Rani
→ History Depart.
S.N.S.R.K.S. COLLEGE
SAHARSA.

Scanned with CamScanner

कृषि क्रान्ति

कृषि क्रांति विश्व इतिहास की एक प्रमुख घटनाओं और पूरे यूरोप और अन्य ऐतिहासिक घटनाओं में आसानी पर इसका गहरा प्रभाव पड़ा। उदाहरण के लिए कई इतिहासकार कृषि क्रांति को औद्योगिक क्रांति का एक प्रमुख कारण मानते हैं। खासकर ब्रिटेन में इसकी शुरुआत कब और कैसे हुई, इसके संदर्भ में।

उदाहरण के लिए 18वी शताब्दी में ब्रिटेन में औद्योगिक क्रांति की शुरुआत खान उद्योग में वृद्धि के कारण हुई, जो कृषि क्रांति का प्रमुख परिणाम था। जहाँ, 17वी शताब्दी में कृषि क्रांति की शुरुआत मानी जाती है। और औद्योगिक क्रांति के साथ-साथ सदियों के बाद भी जारी रही।

कृषि क्रांति की शुरुआत से पहले शताब्दियों में, यूरोपीय किसानों ने खेती का एक तरीका अपनाया, जिसमें उन्होंने हर साल उसी खेत में एक ही फसल लगाई। इससे उन्हे मिट्टी की गुणवत्ता को नष्ट करने से बचने के लिए हर कुछ वर्षों में खेत में कुछ भी नहीं लगाना होगा।

हालांकि, एक ब्रिटिश राजनेता, चार्ल्स टाउनशेंड ने खेती के तौर-तरीकों में सुधार करने के तरीके की पहचान की और इस तरह अधिक भोजन का उत्पादन किया।

1730 के दशक में, उन्होंने पाया कि साल-दर-साल खेतों में विभिन्न प्रकार की फसलें उगाने से, ब्रिटिश किसानों को बदले मौसम के लिए एक खेत छोड़ने की जरूरत नहीं थी। उदाहरण के लिए उन्होंने तर्क दिया कि एक वर्ष में किसानों को एक अनाज जैसे - मक्का या जौ उगाना चाहिये और अगले वर्ष में उसे शलजम जैसी सब्जी की फसल उगानी चाहिए।

Scanned with CamScanner

ऐसा करने से, एक किसान मिट्टी की क्षमता को कम किये बिना हर साल एक खेत में भोजन उगा सकता है। अपनी जोग के लिए, वह 'शलजम टाउनशेड' के रूप में जाना जाने लगा। सामान्य तौर पर उसने ब्रिटिश किसानों को अधिक भोजन उगाने, उसने ब्रिटिश किसानों को अधिक भोजन विकसित करने की अनुमति दी, जिससे बदले में ब्रिटिश नागरिकों की आबादी में वृद्धि हुई।

औद्योगिक क्रांति को शुरुआत करने के लिए बढ़ी गई हुई जनसंख्या महत्वपूर्ण थी क्योंकि इसने कारखानों और खानों के लिए एक बड़ा कार्यबल बनाया था। जो उस समय के दौरान सामान्य होगा।

औद्योगिक क्रांति का एक प्रमुख पहलू विभिन्न प्रकार की मशीनों का आविष्कार था, जिनमें से कई का उपयोग खेती और कृषि में किया गया था।

उदाहरण के लिए, जेथ्रो ट्यूल सीड ड्रिल के आविष्कार के लिए प्रसिद्ध है जिसका कृषि क्रांति का पर गहरा प्रभाव पड़ा और बदले में, औद्योगिक क्रांति।

ट्यूल ने इंग्लैंड में अपने पिता के खेत में काम किया और देखा कि खेती की कुछ पारंपरिक प्रथाएँ बहुत अक्षम थीं। वह विशेष रूप से इस बात से चिंतित था कि बीज को हाथ से मिट्टी में कैसे ड्रिल किया गया था, जो बहुत धीमा था और किसानों के हिस्से में बहुत श्रम की आवश्यकता थी।

Scanned with CamScanner

कुल मिलाकर कृषि क्रांति औद्योगिक क्रांति का एक महत्वपूर्ण कारण था। 1700 के दशक में ब्रिटेन में कृषि क्रांति हुई और खाद्य उत्पादन में वृद्धि करने वाले आविष्कारों और नवाचारों को शामिल किया गया।

बढ़े हुए खाद्य उत्पादन ने ब्रिटेन की आबादी को भी बढ़ने दिया। जिससे औद्योगिक क्रांति को दो तरह से फायदा हुआ।

(a) बढ़ी हुई आबादी ने कारखानों और खानों के लिए श्रमिकों का उत्पादन करने में मदद की जो औद्योगिक क्रांति के लिए बहुत महत्वपूर्ण था।

(b) बड़ी आबादी ने माल बेचने के लिए एक बाजार बनाया जिससे कारखानों के मालिकों को अपने माल की बिक्री से लाभ कमाने में मदद मिली।

औद्योगिक क्रांति पर कृषि का प्रभाव :—

सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव :—

नए आविष्कारों की संख्या और उत्पादन के तरीकों की शुरुआत के लिए जो कृषि क्रांति लाए गए थे, उनका मतलब था कि इन नई तकनीकों को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संगठन, प्रबंधन, वित्त, विपणन और परिवहन में बदलाव किये जाएंगे। कृषि क्रांति से आई एक और नकारात्मकता यह थी कि कुशल खेती के लिए आवश्यक शर्तें थी, जैसे- पर्याप्त कृषि भवन, सड़कों की पहुँच, आर्द्रभूमि की निकासी, विपणन के लिए परिवहन की सुविधा और किसानों के लिए वित्त के स्रोत। ये पूरे यूरोप में नए नकारात्मक प्रभाव थे जो क्रांति में शामिल हुए थे।

Scanned with CamScanner

कृषि क्रांति ने औद्योगिक क्रांति के बारे में नवाचारों और आविष्कारों के माध्यम से लाने में मदद की जिसने खेती की प्रक्रिया को कम किया।

इन नई प्रक्रियाओं ने काम की तीव्रता और खेतिहर मजदूरों की संख्या दोनों में गिरावट दर्ज की। कृषि श्रमिकों की आवश्यकता में गिरावट के कारण कई लोगों ने औद्योगिक काम किया। आगे औद्योगिकक्रांति को बढ़ावा दिया। कृषि क्रांति की शुरुआत में खेत के हाथ औद्योगिक क्रांति कर काम करने के लिए शहर की ओर पलायन करने के लिए चुने गए।

हालाँकि, जैसे - जैसे कृषि श्रमिकों की आवश्यकता में गिरावट आई, कई लोग उद्योगों में काम करने के लिए मजबूर हो गए। कम लोग कृषि कार्य में शामिल थे जिसका अर्थ था कि औद्योगिक क्रांति को आगे बढ़ानेवाले व अन्य उद्योगों में रोजगार मिलेगा।

यद्यपि कई आविष्कारों और आविष्कारों ने कृषि क्रांति को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। यह भी केवल इन कारकों तक सीमित नहीं है, कई अन्य प्रगतियों ने कृषि क्रांति और अंततः औद्योगिक क्रांति को चलाने में मदद की।

=x=

Scanned with CamScanner